राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 03 | मुंबई : बुधवार 19 नवंबर 2025 से 25 नवंबर 2025 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

एकलव्य सरकारी आदिवासी छात्रावास के शौचालय में नर्सिंग की एक छात्रा ने की आत्महत्या

धुले : महाराष्ट्र के धुले जिले के पिंपलनेर शहर में स्थित एकलव्य सरकारी आदिवासी छात्रावास के शौचालय में नर्सिंग की एक छात्रा ने बीती रात आत्महत्या कर लिया है। यह छात्रा नर्सिंग के प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। आज सुबह इस घटना की सूचना मिलते ही पिंपलनेर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और छात्रा का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह छात्रावास के कर्मचारियों ने छात्रा के आत्महत्या की सूचना पुलिस को दी थी। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और शौचालय की छत से लटका छात्रा का शव बरामद किया। शव के पास कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला था।

नवाब मलिक का अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद से लिंक!

मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोप तय, PMLA के तहत चलेगा मुकदमा...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को बड़ी कानूनी कार्रवाई हुई। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके नेटवर्क से जुड़े कथित धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में विशेष अदालत ने मलिक के खिलाफ आरोप तय कर मुकदमे की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है।

अदालत में मलिक ने खुद को निर्दोष बताते हुए आरोपों का खंडन किया, लेकिन अदालत ने प्रचलित कानून के तहत उनके खिलाफ ट्रायल शुरू किए जाने का आदेश दिया।

सांसद/विधायक मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश सत्यनारायण नवंदर ने मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद मलिक सहित अन्य आरोपियों पर आरोप तय किए। अदालत ने सभी आरोपियों को आरोप पत्र पढ़कर सुनाया और पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के संबंधित प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाने को मंजूरी दी। इस मामले में राकांपा नेता से जुड़े कई कंपनियां भी आरोपी के तौर पर पेश की गई हैं, जिनमें मलिक के परिवार के सदस्यों द्वारा संचालित संस्थाएं शामिल हैं। अदालत का यह आदेश मामले को मुकदमे की दिशा में आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

NIA की प्राथमिकी पर आधार पर ED की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की यह जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज की गई उस प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए गए थे। दाऊद इब्राहिम न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी है, बल्कि 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों का मुख्य आरोपी भी है।ईडी ने इसी कड़ी में फरवरी 2022 में नवाब मलिक को गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने दाऊद के सहयोगियों से जुड़े सौदों में आर्थिक लेन-देन किया, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका बनी।

गिरफ्तारी के बाद मलिक ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन अब विशेष अदालत द्वारा आरोप तय होने के बाद उनके खिलाफ मुकदमा औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा। मामले की अगली सुनवाई में अदालत साक्ष्यों और गवाहों की सूची पर निर्णय लेगी।

मुंबई में दूसरे दिन भी CNG संकट बरकरार...

ऑटो-रिक्शा की लगी लंबी कतार

मुंबई : मुंबई में एक प्रमुख सीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद आपूर्ति बाधित हो गई है, जिसके कारण महानगर और आसपास के इलाकों में लगातार दूसरे दिन भी उठऋ पंपों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं। मंगलवार सुबह से ही महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पंपों पर काली-पीली टैक्सियों और ऑटोरिक्शा की भीड़ उमड़ पड़ी।

कई ड्राइवरों ने बताया कि जहां सामान्य दिनों में गैस भरवाने में 15 से 30 मिनट लगते हैं, वहीं अब चार घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। टैक्सी चालक सीताराम रजक ने कहा कि वे सुबह चार बजे से कतार में खड़े हैं और अभी भी गैस मिलने की कोई गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा कि कम गैस उपलब्धता की वजह से सड़क पर कम कैब चल रही हैं, जिससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है।

सिटी गेट स्टेशन तक गैस प्रवाह बाधित

एमजीएल के अनुसार, राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक (आरसीएफ) परिसर के भीतर गेल की मुख्य गैस आपूर्ति पाइपलाइन को तीसरे पक्ष द्वारा क्षति पहुंचाई गई, जिसके कारण वडाला स्थित सिटी गेट स्टेशन (सीजीएस) तक गैस प्रवाह बाधित हुआ। यह स्टेशन मुंबई में गैस आपूर्ति का प्रमुख प्रवेश बिंदु है। एमजीएल ने बताया कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के 389 सीएनजी पंपों में से लगभग 225 पंप यानी करीब 60% पर ही गैस पहुंच रही है।

मुंबई : शिवसेना और एनसीपी राज्य में बीएमसी चुनाव एक साथ लड़ेंगे

गठबंधन का लक्ष्य बीएमसी चुनावों में दो-तिहाई वार्ड और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है

मुंबई : अटकलों पर विराम लगाते हुए, महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी राज्य में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव एक साथ लड़ेंगे। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए बावनकुले ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य बीएमसी चुनावों में दो-तिहाई वार्ड और 51 प्रतिशत वोट हासिल करना है। भाजपा नेता ने कहा, ''मुंबई नगर निगम चुनाव में महायुति एक साथ चुनाव लड़ेगी। हमारा लक्ष्य दो-तिहाई सीटें और 51 प्रतिशत वोट हासिल कर मुंबई नगर निगम में सरकार बनाना है।'' इसके अलावा उन्होंने कहा कि भाजपा को उम्मीद है कि स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने वाले पार्टी कार्यकर्ता अपना नामांकन पत्र वापस ले लेंगे।

उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि सभी निर्दलीय भाजपा कार्यकर्ता जो नगर परिषद चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, वे नाम वापसी की अंतिम समय सीमा से पहले अपना नामांकन पत्र वापस ले लेंगे। चूंकि एक विशेष सीट पर केवल एक ही व्यक्ति को एबी फॉर्म दिया जा सकता है, इसलिए बाकी लोगों को निराश नहीं होना चाहिए और इसके बजाय पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की जीत के लिए काम करना चाहिए।'' बावनकुले ने आगे कहा, ''हमारी अपील को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और हमें पूरा विश्वास है कि कई लोग अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। चूँकि चुनाव सात या आठ साल बाद हो रहे हैं, इसलिए स्वाभाविक रूप से हर कोई टिकट की उम्मीद करता है।

पुणे-शिरूर मल्टी लेन हाईवे को हरी झंडी!

फडणवीस सरकार ने छत्रपति संभाजीनगर को भी दी बड़ी सौगात...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की बुनियादी ढांचा समिति ने राज्य में सड़क विकास को गति देने के लिए मंगलवार को कई महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में सबसे प्रमुख पुणे-शिरूर राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसमें चार लेन की सड़क और छह लेन वाला एलिवेटेड एक्सप्रेसवे शामिल होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

पुणे-शिरूर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना लगभग 53.4 किलोमीटर लंबी होगी। प्रस्ताव के अनुसार, इस मार्ग पर चार लेन की मुख्य सड़क के साथ छह लेन का एलिवेटेड एक्सप्रेसवे तैयार किया जाएगा, जिससे यातायात दबाव कम होगा और यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह कार्य अधिकतम तीन वर्षों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभाजीनगर जिले में दो नई परियोजनाओं को भी हरी झंडी

बैठक में छत्रपति संभाजीनगर जिले में दो नई छह लेन वाली सड़क परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। ये सड़कें छत्रपति संभाजीनगर-पुणे राजमार्ग से जुड़ेंगी, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं से जिले के ग्रामीण और औद्योगिक क्षेत्रों को सीधे लाभ होगा। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री फडणवीस ने बैठक के दौरान छत्रपति संभाजीनगर-अहिल्यानगर सड़क की तत्काल मरम्मत के आदेश भी दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के दैनिक यातायात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसकी खराब स्थिति को जल्द सुधारना आवश्यक है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत-भूटान संबंधों में नई ऊर्जा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा ने दो असमान शक्तियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के एक मॉडल को प्रतिबिंबित किया। यह ऐसा मॉडल है जिसे भारत ने लगभग 7,92,000 लोगों के हिमालयी राजतंत्र के साथ लगातार बनाए रखा है। नेपाल के विपरीत, वर्ष 2008 में भूटान के चुनावी लोकतंत्र में परिवर्तन ने भारत के साथ संबंधों को अस्थिर नहीं किया है। वर्ष 2007 में भूटान में राष्ट्रीय परिषद के लिए पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव हुए थे। उस समय भारत-भूटान संधि में एक महत्त्वपूर्ण संशोधन किया गया और उस उपबंध को बदल दिया गया जिसमें कहा गया था कि भारत विदेशी मामलों में भूटान का 'मार्गदर्शन' करेगा। उसकी जगह लिखा गया कि दोनों देश 'एक दूसरे की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान' करेंगे। दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ अपने क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने देने पर भी सहमत हुए। इस उपबंध का परीक्षण साल 2017 में भूटान के डोकलाम क्षेत्र पर चीन के कब्जे के दौरान हुआ था।

वर्ष 1960 के दशक से ही भूटान के साथ भारत के रचनात्मक और विश्वसनीय संबंधों के परिणाम निरंतर सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिससे इस पड़ोसी देश को शासन के संस्थानों और सैन्य क्षमता के निर्माण में मदद और विकास में उदार सहायता मिली है। भूटान की ओर से, चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो या नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक, जिन्हें के4 के नाम से जाना जाता है, ने संबंधों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने अपने साम्राज्य को संसदीय लोकतंत्र में बदलने की पहल की और फिर अपने पुत्र जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक (के5) की खातिर पद त्याग दिया था। मोदी की भूटान यात्रा के माहौल ने दोनों देशों के बीच पारंपरिक सभ्यतागत और रणनीतिक संबंधों को प्रतिबिंबित किया। प्रधानमंत्री के 70वें जन्मदिन पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने बौद्ध कालचक्र सशक्तीकरण समारोह का उद्घाटन किया, जो वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम था। दिल्ली के लाल किले के पास हुए आतंकवादी विस्फोट के पीड़ितों के लिए के5 की अगुआई में थिम्पू में एक प्रार्थना समारोह आयोजित किया गया और पीएम मोदी ने भी उसमें हिस्सा लिया।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

गैस पाइपलाइन टूटने से सीएनजी गैस की किल्लत; सीएनजी चालित वाहनों पर असर पड़ा

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में प्रमुख गैस पाइपलाइन टूटने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. सीएनजी पंपों पर गाड़ियों की लंबी कतारें दिखी. सड़के आम दिनों की तुलना में ज्यादा खाली नजर आई, क्योंकि गाड़ियों को सरपट दौड़ाने वाली गैस की किलल्त हो गई. लोगों को आने-जाने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ा. सीएनजी की किल्लत ऐसी हुई कि दफ्तर जाने वाले लोगों को भी परेशानी हुई. दरअसल मुंबई में एक प्रमुख गैस पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने के कारण आपूर्ति बाधित होने से हजारों ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और अन्य सीएनजी चालित वाहनों पर असर पड़ा और सीएनजी पंपों पर गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें लग गईं.

ओला, उबर सहित अन्य टैक्सी सर्विस की गाड़ियां ठप

एक स्थानीय पेट्रोल विक्रेता संगठन के प्रतिनिधि ने बताया कि कम गैस प्रेशर के कारण मुंबई के कई सीएनजी पंप सुबह से ही बंद हैं.

शहर में 'ओला' और 'उबर' जैसी ऐप आधारित टैक्सी सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियों द्वारा संचालित वाहनों सहित बड़ी संख्या में ऑटोरिक्शा एवं टैक्सी तथा सार्वजनिक परिवहन उपक्रमों की कुछ बसें महानगर गैस लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी पर निर्भर हैं.

वडाला स्थित गैस आपूर्ति स्टेशन पर आई दिक्कत

रविवार रात जारी एक बयान में एमजीएल ने कहा कि राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक (आरसीएफ) परिसर के अंदर गेल की मुख्य गैस आपूर्ति पाइपलाइन को किसी तीसरे पक्ष द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने के कारण यह व्यवधान उत्पन्न हुआ, जिससे वडाला स्थित सिटी गेट स्टेशन तक प्रवाह प्रभावित हुआ जो मुंबई में गैस आपूर्ति का एक प्रमुख प्रवेश बिंदु है.

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई के कई सीएनजी पंप हुए बंद

आपूर्ति प्रभावित होने से पूरे नेटवर्क में दबाव कम हो गया है. मुंबई, पड़ोसी ठाणे और नवी मुंबई के कई सीएनजी स्टेशन सीमित क्षमता पर कार्य कर रहे हैं या अस्थायी रूप से बंद हो गए हैं. इसके परिणामस्वरूप ईंधन भरने के लिए लंबी कतारें लग गई हैं और प्रतीक्षा समय बढ़ गया है.

मुंबई में 130-140 सीएनजी पंप, कई सुबह से बंद

इस कमी से दिन के दौरान परिवहन के लिए वाहन उपलब्धता प्रभावित होने की संभावना है. पेट्रोल विक्रेता संघ (मुंबई) के अध्यक्ष चेतन मोदी ने बताया कि मुंबई में 130 से 140 सीएनजी पंप हैं, जिनमें एमजीएल के अपने पंप भी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि कम गैस आपूर्ति दबाव के कारण मुंबई के कई सीएनजी पंप सुबह से ही बंद हैं.

दिक्कत दूर करने की कोशिश जारी

चेतन मोदी ने कहा कि उन्होंने कुछ समय पहले टऋछ के अधिकारियों से बात की थी, जिन्होंने बताया था कि सीएनजी की आपूर्ति सामान्य तरीके से बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी है और आरसीएफ में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को पूरी तरह से बहाल करने में पूरा दिन लग सकता है. उन्होंने कहा, ''मैंने सुबह से ही अपना पंप बंद रखा है क्योंकि गैस आपूर्ति नहीं हो पा रही.''

राज्य सरकार आरक्षण सीमा का उल्लंघन करती है, तो चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगा दी जाएगी- सुप्रीम कोर्ट

मुंबई: सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया कि अगले महीने होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार इस सीमा का उल्लंघन करती है, तो चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगा दी जाएगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि राज्य में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव 2022 में जे.के. बांठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले की स्थिति के अनुसार ही कराए जा सकते हैं। उस स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश लागू थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि फिलहाल आयोग की रिपोर्ट न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए चुनाव 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर ही कराए जाएंगे।

चुनाव रोकने की चेतावनी

सुनवाई में जब महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने निवेदन किया कि नामांकन की प्रक्रिया चल रही है और अदालत को हस्तक्षेप से बचना चाहिए, तब पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर यह तर्क है कि नामांकन शुरू हो चुका है और अदालत पीछे हट जाए, तो हम चुनाव पर रोक लगा देंगे। इस अदालत की शक्तियों की परीक्षा न लें। पीठ ने यह भी कहा कि संविधान पीठ द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत सीमा को पार करने का कोई इरादा नहीं था, और दो न्यायाधीशों की पीठ इस सीमा में बदलाव नहीं कर सकती।

70 प्रतिशत तक आरक्षण के आरोपों पर भी नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं पर भी नोटिस जारी किया है, जिनमें दावा किया गया है कि कुछ स्थानीय निकायों में आरक्षण 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अदालत ने इसे गंभीर मुद्दा माना और राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

मुंबई : क्राइम ब्रांच ने पुणे निवासी रोहित आर्या की पत्नी के बयान दर्ज

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे निवासी रोहित आर्या की पत्नी के बयान दर्ज किए। रोहित आर्या की 30 अक्टूबर को पवई के एक स्टूडियो में 17 बच्चों को बंधक बनाने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।क्राइम ब्रांच ने रोहित आर्या की पत्नी का बयान दर्ज कियाइस मामले से वाकिफ एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एचटी को बताया, ''हमने आज पुणे में रोहित आर्या की पत्नी अंजलि आर्या का बयान दर्ज किया। उन्होंने हमें बताया कि उनकी मुलाकात कैसे हुई, उनका वैवाहिक जीवन कैसा था, उन्होंने पहले जो भूख हड़ताल की थी, उन्होंने किन प्रोजेक्ट्स पर काम किया था और उन्हें एक दोस्त के जरिए बंधक स्थिति के बारे में कैसे पता चला।''

अधिकारी ने आगे बताया कि पुणे से शहर वापस आने के बाद क्राइम ब्रांच अंजलि आर्या के बयान का विस्तार से विश्लेषण करेगी। आर्या के परिवार ने पहले पुलिस से उनके बयान दर्ज करने के लिए इंतजार करने को कहा था, जबकि क्राइम ब्रांच ने उनसे संपर्क किया था।पहले उद्धृत अधिकारी ने कहा, ''हमने उन पर दबाव भी नहीं डाला क्योंकि वे शोक में थे।''53 वर्षीय रोहित आर्या पहले राज्य शिक्षा विभाग में स्वच्छता मॉनिटर परियोजना पर काम करते थे। 30 अक्टूबर को, उन्होंने पवई स्थित आरए स्टूडियो में 17 बच्चों और दो वयस्कों को बंधक बना लिया और विधायक दीपक केसरकर से कुछ बकाया भुगतानों के संबंध में बात करने की मांग की। एयर गन और ज्वलनशील स्प्रे से लैस होकर, उन्होंने धमकी दी कि अगर उनकी ''साधारण'' मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वह स्टूडियो में आग लगा देंगे।पुलिस ने बंधक बनाए गए बच्चों के परिजनों के साथ-साथ स्टूडियो के मालिक मनीष अग्रवाल, आर्या के सेमिनारों में शामिल हुए दो अभिनेताओं, मुख्य गवाह रोहन राज अहिरे और अन्य के बयान पहले ही दर्ज कर लिए हैं।

हिंदी भाषी समुदाय के खिलाफ नफरत भरे भाषणों और हिंसा के लिए मनसे का पंजीकरण रद्द करने की मांग!

राज्य सरकार और चुनाव आयोग को चार हफ्तों में याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और हिंदी भाषी समुदाय के खिलाफ कथित नफरत भरे भाषणों और हिंसा के लिए उनकी पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की मांग वाली याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की खंडपीठ ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग को चार हफ्तों में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। इसने याचिकाकर्ता को कॉपी से ''उत्तर भारतीय'' और ''दक्षिण भारतीय'' जैसे शब्द हटाने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा, '''घृणास्पद भाषण'जोड़ना ही काफी है। इसमें अन्य विशेषण जोड़ने की आवश्यकता नहीं है।'' जुलाई 2025 में अधिवक्ता घनश्याम उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में दावा किया गया था कि ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता 2005 से महाराष्ट्र में अन्य राज्यों से आए प्रवासियों के खिलाफ भीड़ हिंसा में लिप्त रहे हैं।

याचिका में कहा गया है कि इस तरह की नौटंकी आमतौर पर चुनावों से पहले तेज हो जाती है। याचिका में चचेरे भाई राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे द्वारा 5 जुलाई को आयोजित संयुक्त रैली का हवाला दिया गया था, जो प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने के महाराष्ट्र सरकार के आदेश को वापस लेने के फैसले का जश्न मनाने के लिए आयोजित की गई थी। याचिका में कहा गया है कि रैली के दौरान, राज ठाकरे ने सुझाव दिया था कि जो लोग मराठी नहीं बोलते हैं, उनके ''कान के पर्दे के नीचे मारा जाना चाहिए''। इस साल की शुरूआत में राज्य की प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति पर विवाद शुरू होने के बाद से, मनसे कार्यकर्ता मराठी न बोलने के कारण व्यक्तियों, विशेष रूप से हिंदी भाषी प्रवासियों के खिलाफ हमले और उत्पीड़न की कई घटनाओं में शामिल रहे हैं।याचिका में कहा गया है, ''राज ठाकरे के इशारे पर उनके गुंडे/राजनीतिक कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लोगों की पिटाई, उन पर हमला और लिंचिंग कर रहे हैं।

युवक के साथ 18 लाख की ऑनलाइन ठगी!

शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर दिया धोखा

भिवंडी : नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश के नाम पर एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मानकोली क्षेत्र में रहने वाले 38 वर्षीय सुरेश किसन शिरसोलकर से लगभग 18 लाख 79 हजार 377 रुपये की ठगी की गई। आरोपियों ने खुद को शेयर मार्केट से जुड़ी प्रतिष्ठित कंपनी का प्रतिनिधि बताकर भारी मुनाफे का लालच दिया और पीड़ित को विश्वास में लेकर लाखों रुपये हड़प लिए।शिकायत के अनुसार सितंबर 2025 में पीड़ित को सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया गया। खुद को Asth Credit & Securities Pvt Ltd से जुड़े होने का दावा करते हुए नेहा भन्सल, आरव गुप्ता

और मीना जोशी नामक लोगों ने पीड़ित को निवेश पर अधिक रिटर्न का आश्वासन दिया। आरोपियों ने कंपनी का नाम, लोगो और फर्जी दस्तावेज दिखाकर भरोसा जीत लिया। 1 सितंबर से 4 नवंबर के बीच पीड़ित से 18 लाख 79 हजार 377 रुपये विभिन्न ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए वसूले गए। जब पीड़ित ने अपने निवेश का लाभ मांगा तो आरोपियों ने बहाने बनाए और कुछ समय बाद फोन बंद कर दिए।

मुंबई कांग्रेस अगर अकेले चुनाव लड़ेगी तो उसका हाल बिहार जैसा हो जाएगा - उद्धव गुट

मुंबई : बीएमसी चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं, सभी पार्टियां रणनीति बैठकों में जुटी हैं और इसी बीच कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है. कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह बीएमसी चुनाव महाविकास आघाड़ी के साथ नहीं, बल्कि अकेले लड़ने जा रही है. इस ऐलान के बाद साथी दलों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिससे गठबंधन की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है. कोर्ट के आदेश के मुताबिक बीएमसी चुनाव जनवरी 2026 के आखिर तक करवाने होंगे. इसी काउंटडाउन के बीच कांग्रेस की मुंबई बैठक में पार्टी के प्रभारी रमेश चेन्निथिला ने घोषणा कर दी कि बीएमसी चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी. उन्होंने कहा कि पार्टी अपने दम पर चुनाव में उतरेगी और किसी गठबंधन में शामिल नहीं होगी.

ये पहली बार नहीं हो रहा- सुप्रिया सुले

कांग्रेस के इस ऐलान पर एनसीपी (सपा) की सांसद सुप्रिया सुले ने नरम प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि इसमें कुछ नया नहीं है, पहले भी कई बार पार्टियां चुनाव से ठीक पहले अपने फैसले बदलती रही हैं. सुले ने कहा कि अभी तक कांग्रेस से बातचीत नहीं हुई है, जब बातचीत होगी तो इस पर चर्चा जरूर होगी.

अपना हाल बिहार जैसा न कर ले कांग्रेस- उद्धव गुट

उधर, उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर अकेले चुनाव लड़ेगी तो उसका हाल बिहार जैसा हो जाएगा. दुबे ने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन में अब कांग्रेस से दूरी बना ली गई है और सिर्फ वे ही कांग्रेस का साथ दे रहे हैं. अगर कांग्रेस उनके सामने भी यही बात रखेगी तो जीरो पर आ जाएगी.

कांग्रेस और एमवीए के भीतर चालू तनाव पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विपक्ष साथ लड़कर देख चुका है और अलग लड़कर भी देख लें, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. जनता के मन में मोदी हैं और बीजेपी-गठबंधन 24 घंटे जनसेवा कर रहा है.

बी वार्ड और मरीन लाइंस के सी वार्ड के नागरिकों ने ''जनता का वादा और जवाबदेही शपथ पत्र'' जारी

मुंबई : जनवरी 2025 में होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले, डोंगरी के बी वार्ड और मरीन लाइंस के सी वार्ड के नागरिकों ने संयुक्त रूप से एक ''जनता का वादा और जवाबदेही शपथ पत्र'' जारी किया है। यह एक नागरिक-केंद्रित घोषणापत्र है जो उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा पारदर्शिता, शासन और बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति पर केंद्रित है। यह शपथ पत्र दो प्रमुख विषयों पर आधारित है: आवश्यक नगरपालिका सेवाएँ और दीर्घकालिक कल्याणकारी उपाय। यह दस्तावेज निवासियों के प्रति पाँच साल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और एक सार्वजनिक अनुबंध स्थापित करता है जिसके माध्यम से मतदाता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहरा सकते

हैं। भिंडी बाजार निवासी अब्बास छत्रीवाला द्वारा तैयार किया गया यह दस्तावेज, सूची के अंतिम रूप देने के बाद उम्मीदवारों को प्रस्तुत किया जाएगा। छत्रीवाला ने कहा, ''प्रत्येक उम्मीदवार औपचारिक रूप से पार्षद कार्यालय के पूर्ण अधिकार का उपयोग करके स्वच्छ पड़ोस, सुरक्षित सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा, बेहतर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सुविधाएँ, और नागरिक कार्यों में वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने की अपनी मंशा की घोषणा करेगा। हलफनामा दो प्रमुख विषयों पर आधारित है: आवश्यक नगरपालिका सेवाएँ और दीर्घकालिक कल्याणकारी उपाय।''घोषणापत्र बुनियादी ढाँचे की जवाबदेही पर केंद्रित है। उम्मीदवारों से यह प्रतिज्ञा लेने के लिए कहा जाएगा कि वे सड़कों, जल निकासी और नागरिक कार्यों के लिए ठेकेदारों की ज़िम्मेदारियों को और सख्त करेंगे, जो मुंबई में एक गंभीर चिंता का विषय है।''अगर उन्हें हमारे वोट चाहिए, तो उन्हें दोष-दायित्व अवधि बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, नियमित डामर सड़कों के लिए वारंटी अवधि को 10 साल और सीमेंट-कंक्रीट सड़कों के लिए 20 साल तक बढ़ाने की मांग करनी चाहिए। घोषणापत्र में कहा गया है कि जिन ठेकेदारों का काम वारंटी अवधि के दौरान खराब हो जाता है, उन्हें तुरंत उसकी मरम्मत करनी होगी, ऐसा न करने पर उम्मीदवार भारी दैनिक जुमार्ना और काली सूची में डालने की कार्रवाई की मांग करेंगे,'' छत्रीवाला ने कहा।बी वार्ड के डोंगरी निवासी काशिफा ए खान ने कहा, ''बी और सी दोनों वार्डों में ये समस्याएँ एक जैसी हैं। मैं अपने बच्चों को स्कूल ले जाती हूँ और गड्ढे भरने के एक हफ़्ते बाद ही फिर से उभर आते हैं। स्ट्रीट लाइटों के अभाव में, ऐसी संकरी और गड्ढों वाली सड़कों पर गाड़ी चलाना एक चुनौती है। हम अपने पार्षदों से एक वचन चाहते हैं कि वे कम से कम घटिया सामग्री का इस्तेमाल न करके हमें अच्छी सड़कें बनाने की गारंटी दें।''

मुंबई : अवैध बैनर और होर्डिंग लगाकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचा - बॉम्बे उच्च न्यायालय

मुंबई : बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र के सभी नगर निकायों को सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर अवैध राजनीतिक होर्डिंग, बैनर और पोस्टर लगाने के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) और वसूले गए जुमार्ने की संख्या का डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और संदेश पाटिल की खंडपीठ ने लातूर नगर निगम द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की और कहा कि उसने इस प्रथा को रोकने के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र स्थापित किया है।अदालत कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें आरोप लगाया गया था कि बार-बार न्यायिक निदेशों के बावजूद, राजनीतिक दल शहरों में अवैध बैनर और होर्डिंग लगाकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचा रहे हैं।

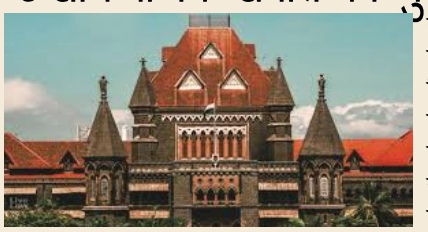

पीठ ने याद दिलाया कि वह कई वर्षों से ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रही थी और उसने सभी राजनीतिक दलों को यह वचन देने का निर्देश भी दिया था कि उनका कोई भी पदाधिकारी अनधिकृत होर्डिंग नहीं लगाएगा। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने ऐसे वचन दिए थे।सोमवार को, अदालत ने दोहराया कि अवैध होर्डिंग, बैनर या पोस्टर के लिए जुमार्ना संबंधित राजनीतिक दल द्वारा अधिकृत व्यक्ति से वसूला जाना चाहिए। पीठ ने दर्ज की गई एफआईआर की संख्या, प्रत्येक मामले में की गई कार्रवाई और वसूले गए जुमार्ने की राशि के साथ-साथ वसूली की कार्ययोजना का विवरण भी मांगा। इसने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक नगर निकाय इस मुद्दे से निपटने के लिए एक अलग विभाग स्थापित करे।अदालत ने लातूर नगर निगम द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की और कहा कि उसने अवैध होर्डिंग पर अंकुश लगाने के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र लागू किया है। नगर निगम ने समय पर कार्रवाई करने में मदद के लिए जनहितैषी नागरिकों, नगर निगम अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है।

एक हफ्ते से कचरा संग्रहण ठप; निवासियों का असहनीय बदबू के बीच जीना मुश्किल

ठाणे : कलवा, मुंब्रा और दिवा में पिछले एक हफ्ते से कचरा संग्रहण ठप होने से स्थानीय निवासियों को असहनीय बदबू के बीच जीना मुश्किल हो रहा है। हाउसिंग सोसाइटियों में कचरे के ढेर लगने से निवासियों को डर है कि अस्वच्छ परिस्थितियों के कारण बीमारियाँ फैल सकती हैं। पिछले सात-आठ दिनों से, ठाणे नगर निगम द्वारा दिवा, मुंब्रा और कलवा इलाकों से कचरा नहीं उठाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप हर जगह कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं।

मुंब्रा और कलवा के निवासियों और राकांपा (सपा) के नेताओं के एक समूह ने ठाणे नगर निगम (टीएमसी) मुख्यालय के बाहर कचरा फेंककर विरोध प्रदर्शन किया, ताकि उनके इलाकों में कचरा प्रबंधन में नगर निगम की विफलता को उजागर किया जा सके।कचरा संग्रहण में अचानक रुकावट एक भूमि विवाद के कारण हुई है। दैघर में टीएमसी द्वारा संचालित कचरा प्रबंधन डंपिंग ग्राउंड स्थानीय समुदाय के स्वामित्व वाली भूमि पर स्थित है। समुदाय द्वारा अपनी भूमि पर कचरा डंपिंग का विरोध करने के बाद, टीएमसी कचरा निपटान के लिए तत्काल कोई वैकल्पिक स्थल नहीं खोज पाई और कलवा, मुंब्रा और दिवा में कचरा संग्रह करना बंद कर दिया।कचरा संग्रह में अचानक कमी ने ठाणे के निवासियों को परेशान कर दिया है, एक ऐसा शहर जो प्रतिदिन लगभग 1,100 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न करता है। पहले, टीएमसी

अटकोली, भिवंडी और दिवा स्थित डंपिंग ग्राउंड पर निर्भर थी, लेकिन अब दोनों स्थलों को बांस के बागानों के माध्यम से हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया जा रहा है। लगभग पाँच साल पहले जब ये अपनी क्षमता से भर गए, तो नगर निगम ने कचरा निपटान के लिए इन स्थलों का उपयोग बंद कर दिया। इसके बाद टीएमसी ने अन्य डंपिंग स्थलों का उपयोग करना शुरू कर दिया, जिनमें दैघर स्थित स्थल भी शामिल है, जहाँ स्थानीय निवासियों ने डंपिंग का विरोध किया है।इस मुद्दे को उजागर करते हुए, एनसीपी-एसपी के जिला अध्यक्ष अभिजीत पवार, कलवा और मुंब्रा के पूर्व पार्षदों के साथ, प्रदर्शनकारियों के एक समूह का नेतृत्व करते हुए टीएमसी कार्यालय पहुँचे। प्रदर्शनकारी एक डंपर में कचरा भरकर टीएमसी मुख्यालय के बाहर फेंक आए और टीएमसी कमिश्नर सौरभ राव के केबिन के बाहर प्रदर्शन किया।

पवार ने चेतावनी दी कि अगर समस्या का तुरंत समाधान नहीं हुआ, तो प्रदर्शनकारी कमिश्नर के बंगले के बाहर भी कचरा फेंकेंगे। उन्होंने कहा, ''टीएमसी निवासियों से टैक्स तो वसूलती है, लेकिन जब सेवाएँ देने की बात आती है, तो वे बुनियादी नागरिक सुविधाएँ भी नहीं दे पाते।''बाद में, राव ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन्हें बताया कि डंपिंग ग्राउंड में परिचालन संबंधी समस्याओं के कारण व्यवधान उत्पन्न हुआ है। बैठक के दौरान, मुंब्रा के एक एनसीपी (सपा) नेता, सानू पठान ने मुंब्रा में अपनी जमीन को कचरे के लिए एक अस्थायी डंपिंग ग्राउंड के रूप में इस्तेमाल करने की पेशकश की, जिसे राव ने स्वीकार कर लिया।राव ने कहा, ''पठान द्वारा उपलब्ध कराई गई जमीन का इस्तेमाल अब हम कचरा निपटान केंद्र के रूप में करेंगे। वहाँ से कचरा कम्पेक्टर एकत्रित कचरे को अन्य प्रसंस्करण स्थलों तक पहुँचाएँगे। मैंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग को जमा कचरे को हटाने के लिए तुरंत वाहन और मशीनें तैनात करने का निर्देश दिया है।''इस बीच, दिवा से शिवसेना नेता रोहिदास मुंडे ने कचरा निपटान के लिए टीएमसी की निजी जमीन पर निर्भरता की आलोचना की। उन्होंने पूछा, ''एक प्रमुख नगर निगम होने के बावजूद, टीएमसी को कचरा निपटान के लिए दूसरों की जमीन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

सेवानिवृत्त महिला से धार्मिक अनुष्ठान करने और एक 'साधु' को दान देने के बहाने 24.60 लाख की ठगी

मुंबई : एक 70 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला से धार्मिक अनुष्ठान करने और एक 'साधु' को दान देने के बहाने ₹24.60 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनमें से पाँच को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया।पीड़िता, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सेवानिवृत्त कर्मचारी शकुंतला बुलचंद आहूजा, उल्हासनगर के साईं मेहरवान पैलेस में अकेली रहती हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों - जिनकी पहचान करिश्मा, साहिल, गोली, उषा, यश, लवीना, कशिश और 'गुरुजी' नाम के एक व्यक्ति के रूप में हुई है - ने उनके अकेलेपन का फायदा उठाया और जनवरी 2023 से 11 नवंबर 2025 के बीच उन्हें ठगने की साजिश रची।पुलिस के अनुसार, धोखाधड़ी तब शुरू हुई जब एक आरोपी करिश्मा ने आहूजा से फ्लैट खरीदने के बहाने ₹10 लाख लिए।

जब ऐसा नहीं हुआ, तो आहूजा ने उनसे पैसे वापस मांगे। हालाँकि, करिश्मा ने उसे यकीन दिलाया कि अगर वह धार्मिक दान करेगी और फर्जी बाबा के आश्रम में गुरुजी द्वारा आयोजित अनुष्ठानों में भाग लेगी, तो उसके पैसे वापस कर दिए जाएँगे और उसके जीवन की ''बाधाएँ'' दूर हो जाएँगी।11 नवंबर को पीड़िता के घर पर एक हवन अनुष्ठान का आयोजन किया गया था, जिसके दौरान आरोपियों ने उससे कलश और अन्य अनुष्ठानों के लिए सोना दान करने को कहा। इसके जरिए उन्होंने आठ तोले सोने के आभूषण, 10 ग्राम हीरे और कुछ नकदी लूट ली।

बाद में, उन्होंने कथित तौर पर उसे नशीले पदार्थों से भरा एक प्रसाद दिया और कहा कि यह बाबा की ओर से है। आहूजा के बेहोश होने पर, आरोपी उसका 20 ग्राम सोने का कंगन लेकर फरार हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि अब तक, आरोपी आहूजा से ₹24.60 लाख की कीमत का सोना, हीरे और नकदी सहित कई कीमती सामान लूट चुके हैं।होश में आने पर, आहूजा को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है और उसने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने उल्हासनगर कैंप नंबर 4 से पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 123 (जहर देकर चोट पहुँचाना), 318(4) (धोखाधड़ी), 316(2) (आपराधिक विश्वासघात) और 3(5) (संयुक्त आपराधिक दायित्व) के तहत मामला दर्ज किया गया है।जांच अधिकारी बीआर दराडे ने एचटी को बताया, ''हमने उल्हासनगर कैंप नंबर 4 से आठ में से पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें 21 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट का निर्देश...

बुजुर्ग मरीज को निजी अस्पताल से भाभा अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित कर दे

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक बुजुर्ग मरीज के बेटे को निर्देश दिया है कि वह अपनी माँ को निजी अस्पताल से भाभा अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित कर दे। निजी अस्पताल ने कहा कि बेटे ने एक महीने से ज्यादा समय तक अस्पताल से छुट्टी देने की प्रक्रिया में बाधा डाली, मेडिकल स्टाफ को धमकाया और अपनी माँ को स्थानांतरित करने या उनके इलाज का खर्च उठाने की ज़िम्मेदारी लेने से बार-बार इनकार किया। अस्पताल की याचिका के अनुसार, मरीज को 24

अगस्त को गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुरूआत में उसका इलाज आपातकालीन विभाग में हुआ था। 21 सितंबर को, बेटे ने कथित तौर पर अपनी माँ का इलाज कर रहे डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार किया और माँ की जगह अपनी पसंद का डॉक्टर नियुक्त करने की माँग की। 4 अक्टूबर तक, मरीज की हालत में काफी सुधार हो गया था जिससे उसे छुट्टी मिल गई, लेकिन अस्पताल ने कहा कि उसके बेटे ने उसके मेडिकल बिल चुकाने या उसे घर ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद अस्पताल अधिकारियों ने बांद्रा पुलिस में बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।6 अक्टूबर तक, अस्पताल ने महिला का डिस्चार्ज कार्ड और विस्तृत होमकेयर प्लान तैयार कर लिया था, लेकिन अगले दिन बेटे ने दावा किया कि वह बीमार है और अपनी माँ को घर नहीं ले जा पाएगा। अगले हफ़्ते, अस्पताल के अधिकारियों ने उन्हें पत्रों और ईमेल के जरिए आगाह किया कि अस्पताल में लंबे समय तक अनावश्यक रूप से रहने के कारण, उनकी माँ को अस्पताल से होने वाले संक्रमण का खतरा है।17 अक्टूबर को, बेटे के वकील ने अस्पताल के अधिकारियों को लापरवाही का एक कानूनी नोटिस भेजा और दावा किया कि वे ऐसे दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं जिनकी पहचान याचिका में नहीं है। अस्पताल ने बांद्रा पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक और वरिष्ठ नागरिक न्यायाधिकरण को बेटे के आचरण की जानकारी देकर और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई की माँग करके जवाब दिया।

शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक का उद्घाटन लगभग छह महीने की देरी से होगा; उद्घाटन 2026 के मध्य तक ही होने की संभावना

मुंबई : वीर सावरकर मार्ग स्थित पूर्व महापौर के बंगले में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक का उद्घाटन लगभग छह महीने की देरी से होगा और इसका उद्घाटन 2026 के मध्य तक ही होने की संभावना है। शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उनके स्मारक पर प्रार्थना करते हुए।वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) नेता और बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक सार्वजनिक न्यास के सचिव सुभाष देसाई ने सोमवार को पुष्टि की कि काम में देरी हो रही है और उद्घाटन का समय पुनर्निर्धारित करना होगा। न्यास पहले ठाकरे की

जन्मशती के अवसर पर 23 जनवरी 2026 के आसपास इस स्मारक को जनता के लिए खोलने की योजना बना रहा था।देसाई ने कहा, ''सिविल कार्य और भूनिर्माण का काम पूरा हो चुका है।'' बालासाहेब के जीवन पर एक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति तैयार करने वाली टीम 23 जनवरी, 2026 को अपना काम शुरू करेगी। हम दृश्य-श्रव्य शो, कुछ भित्ति चित्र, महत्वपूर्ण चित्रों का उपयोग करेंगे और उनकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुओं का भी प्रदर्शन करेंगे।

इस काम में छह महीने लगेंगे, लेकिन संग्रहालय का उद्घाटन उनकी 100वीं जयंती से पहले हो जाएगा। हम शताब्दी वर्ष को बड़े पैमाने पर मनाने की योजना बना रहे हैं।राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए ₹400 करोड़ आवंटित किए हैं, जिसका कार्यान्वयन एजेंसी मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) है। ₹400 करोड़ में से ₹250 करोड़ पहले चरण के लिए और शेष दूसरे चरण के लिए निर्धारित किए गए हैं।स्मारक दो चरणों में बनाया जा रहा है, और नवीनतम घटनाक्रमों के बाद, दोनों चरण एक साथ खुल सकते हैं।

DGP रश्मि शुक्ला बनकर जालसाजों ने 'डिजिटल अरेस्ट' में एक वरिष्ठ नागरिक को 1.08 करोड़ का लगाया चूना

मुंबई : दादर निवासी 80 वर्षीय महिला से हाल ही में महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला बनकर साइबर जालसाजों ने ₹1.08 करोड़ की ठगी की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने शुरूआत में खुद को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण का अधिकारी बताकर उनसे संपर्क किया था और फिर उन्हें कथित तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' में डाल दिया था। रविवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पीड़िता एक बहुराष्ट्रीय दवा और जैव प्रौद्योगिकी कंपनी की सेवानिवृत्त सचिव हैं। 27 अक्टूबर को, एक आरोपी ने महिला को फोन किया और खुद को ळफ्अक कर्मचारी, विजय खन्ना बताकर उसे चेतावनी दी कि उसका सिम कार्ड दो घंटे के भीतर ब्लॉक कर दिया जाएगा। जब उसने पूछताछ की, तो आरोपी ने उसे बताया कि साइबर धोखाधड़ी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उसके आधार नंबर का दुरुपयोग किया गया है।कुछ समय बाद, उसे कोलाबा पुलिस स्टेशन का अधिकारी बनकर किसी और ने फोन किया। उसने उसे बताया कि उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया है, जिसमें नरेश गोयल

भी सह-आरोपी हैं। उसने फोन एक महिला को ट्रांसफर कर दिया, जिसने खुद को रश्मि शुक्ला बताया और उससे जाँचकताओं के साथ सहयोग करने को कहा।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उससे उसके पैसों के बारे में पूछा गया और उसे NEFT/RTGS के जरिए 'शुक्ला' द्वारा बताए गए बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया, ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के साफ होने के बाद अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने पर 48 घंटों के अंदर पैसे वापस मिल जाएँ।अधिकारी ने कहा, ''उसने 31 अक्टूबर से 7 नवंबर के बीच लगभग ₹1.08 करोड़ ट्रांसफर किए। हालाँकि, 48 घंटे बीत जाने के बाद भी जब उसे पैसे वापस नहीं मिले, तो उसने पुलिस से संपर्क किया।

जब उसे कोई जवाब नहीं मिला, तो उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है।''मुंबई पुलिस के केंद्रीय साइबर पुलिस अधिकारी ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318 (धोखाधड़ी), 319 (छद्मवेश द्वारा धोखाधड़ी), 308 (जबरन वसूली), 336 (जालसाजी), 340 (जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का धोखाधड़ी या बेईमानी से उपयोग करना जैसे कि यह वास्तविक हो), 204 (लोक सेवक का रूप धारण करना), 205 (लोक सेवक की वर्दी पहनने या धोखाधड़ी के इरादे से आधिकारिक टोकन ले जाने पर रोक लगाना) और 61 (आपराधिक साजिश) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

लापरवाही में गई युवक की जान, परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा...

मुंबई : रुक्मिणीबाई अस्पताल एक बार फिर डॉक्टरों की लापरवाही के कारण विवादों के घेरे में है। मामले में कल्याण रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय घायल हुए एक व्यक्ति की प्राथमिक उपचार के बाद घर भेजे जाने के कुछ ही घंटों बाद मौत हो गई। इस पर मृतक के परिवार ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले में मृतक की पहचान डेविड घाडगे के नाम से हुई है। वह कल्याण के अंबिवली का रहने वाला था, जो मुंबई के एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी स्कूल में चपरासी के पद पर कार्यरत था। मुंबई से कल्याण से लौटते समय डेविड घाडगे कल्याण स्टेशन पर

ट्रेन से उतरते वक्त गिरकर घायल हो गए। इसके बाद उनके बेटे तुषार ने उसे इलाज के लिए कल्याण नगर निगम के रुक्मिणीबाई अस्पताल लेकर आए।

परिजन ने लगाया आरोप

तुषार के अनुसार, अस्पताल में डॉक्टरों ने डेविड का शुरूआती उपचार किया, लेकिन उन लोगों ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया, वहां के डॉक्टरों ने परिवार को केवल अगले दिन एक्स-रे कराने की सलाह दी और उन्हें घर भेज दिया। बेटे तुषार ने बार-बार अपने पिता को अस्पताल में भर्ती करने की विनती की, क्योंकि उनकी हालत गंभीर लग रही थी, लेकिन डॉक्टर ने उसकी एक न सुनी। आखिरकार डॉक्टरों की सलाह पर वह डेविड को लेकर घर चले गए। इसके बाद उसे एक्स-रे के लिए वापस अस्पताल जाना था, लेकिन इसी बीच, घर पर ही डेविड की अचानक मौत हो गई। पिता की मौत से गुस्साए परिवार वाले तुरंत डेविड का शव लेकर रुक्मिणीबाई अस्पताल पहुंचे और जोरदार हंगामा किया।

मेट्रो 9 के निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे 42 वर्षीय सुपरवाइजर की काम के दौरान मौत; ठेकेदार और सलाहकार पर क्रमश: 50 लाख और 5 लाख का जुमार्ना

मुंबई : निर्माण स्थलों पर दुर्घटनाओं का सिलसिला तेजी से जारी है। दहिसर-मीरा-भायंदर मेट्रो लाइन (मेट्रो 9) के निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे 42 वर्षीय सुपरवाइजर की काम के दौरान मौत हो गई। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने ठेकेदार और सलाहकार पर क्रमशः ₹50 लाख और ₹5 लाख का जुमार्ना लगाया है।42 वर्षीय सुपरवाइजर की गिरकर मौत; मेट्रो 9 स्थलों पर तीसरी दुर्घटनासाईं बाबा नगर मेट्रो स्टेशन के निर्माण स्थल पर मौजूद सुपरवाइजर फरहान तहजीद अहमद कथित तौर पर अपना संतुलन खो बैठे और 70 फीट की ऊँचाई से नीचे सड़क पर गिर गए। कुछ ही मिनटों में भीड़

जमा हो गई और अहमद को सबसे पहले निर्माण स्थल से सटे एक निजी स्वास्थ्य केंद्र, सनराइज अस्पताल ले जाया गया। वहाँ से उन्हें भायंदर के पंडित भीमसेन जोशी सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना वाले दिन, पुलिस ने जाँच की कि निर्माण स्थल पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद हैं या नहीं। फि लहाल, मीरा रोड पुलिस ने दुर्घटनावश हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया है। एमएमआरडीए ने भी एक समानांतर जाँच के आदेश दिए, जिसमें पाया गया कि ठेकेदारों, गजानन कंस्ट्रक्शन और एन ए कंस्ट्रक्शन, द्वारा सुरक्षा संबंधी चूक की गई थी।एक जानकार व्यक्ति ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि अहमद गजानन कंस्ट्रक्शन का कर्मचारी था, जबकि सिस्ट्रा इंडिया-सीईजी सामान्य सलाहकार थे, जिन्हें यह सुनिश्चित करना था कि प्रोटोकॉल और दिशानिदेर्शों का पूरी तरह से पालन किया जाए। दुर्घटना के बाद, एमएमआरडीए ने सोमवार को गजानन कंस्ट्रक्शन और एन ए कंस्ट्रक्शन के कंसोर्टियम पर ₹50 लाख और सिस्ट्रा इंडिया-सीईजी पर ₹5 लाख का जुमार्ना लगाया।

मुंबई : हॉल टिकट जारी नहीं किए गए; आईटी के तृतीय वर्ष के कुछ छात्र पाँचवें सेमेस्टर की पहली परीक्षा नहीं दे पाए

मुंबई : बांद्रा स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के तृतीय वर्ष के कुछ छात्र पाँचवें सेमेस्टर की पहली परीक्षा नहीं दे पाए, क्योंकि उन्हें हॉल टिकट जारी नहीं किए गए। उनके परीक्षा फॉर्म में पहले से भरे गए डेटा में उनके नामों के लिए निर्धारित स्थानों पर अपशब्द छपे होने के कारण हॉल टिकट जारी नहीं किए जा सके। पिछले हफ़्ते जैसे ही छात्रों को इसका पता चला, घबराए छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के सामने मौखिक रूप से इस मुद्दे को उठाया, लेकिन इसका समाधान नहीं हुआ।छात्रों के फॉर्म में नामों के लिए अपशब्द लिखे हैंछात्र के नामांकन

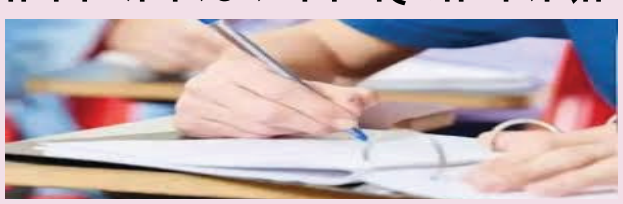

संख्या और पहचान संबंधी विवरण सहित पहले से भरे गए डेटा के आधार पर कॉलेज परीक्षाओं के लिए हॉल टिकट जारी करता है।

प्रभावित छात्रों में से एक, जिसने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ''पिछले हफ़्ते हमारी शिकायतों के बावजूद कुछ नहीं बदला। हमें बताया गया था कि सोमवार तक समस्या का समाधान हो जाएगा, लेकिन जब हम परीक्षा हॉल पहुँचे, तो समस्या बनी रही। हममें से किसी को भी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि सिस्टम में हमारी जानकारी गलत थी। कुछ छात्रों ने एचटी को यह भी बताया कि पिछले हफ़्ते कई शिकायतों के बाद, कॉलेज ने अपना एमआईएस सिस्टम यह कहते हुए बंद कर दिया कि उसे इस त्रुटि को ठीक करने के लिए समय चाहिए। सोमवार देर शाम तक, उन्होंने कहा कि सिस्टम अभी भी काम नहीं कर रहा था और यह स्पष्ट नहीं था कि समस्या कब हल होगी।चिंतित छात्रों ने अब कॉलेज से यह स्पष्ट करने की माँग की है कि ''ऐसे अपशब्द कैसे आए और परीक्षा शुरू होने से पहले इसे क्यों नहीं ठीक किया गया''। कुछ छात्रों ने कहा कि वे एक ऐसी त्रुटि की कीमत चुका रहे हैं जिसके लिए वे ज़िम्मेदार नहीं हैं। इस बीच, तकनीकी शिक्षा निदेशालय (डीटीई) के संयुक्त निदेशक प्रमोद नाइक ने म्हाला को एक पत्र जारी कर मंगलवार दोपहर तक स्पष्टीकरण माँगा है।

राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में सुधार के लिए निरंतर कार्य और जवाबदेही की आवश्यकता है - राज्यपाल

मुंबई : राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रयास में, राज्यपाल और सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति आचार्य देवव्रत ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक टास्क फोर्स होनी चाहिए जो हर पंद्रह दिन में राजभवन को प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और विजन महाराष्ट्र 2047 पर राजभवन में आयोजित एक बैठक में, देवव्रत ने कुलपतियों से कहा कि विश्वविद्यालयों को केवल कागजों पर योजनाएँ बनाने के बजाय निरंतर प्रगति दिखानी चाहिए।

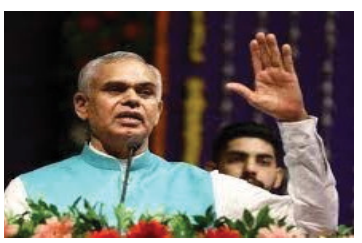

उन्होंने कुलपतियों से कहा, ''केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है; विश्वविद्यालयों को निरंतर कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए।''उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने विश्वविद्यालयों से शिक्षण और प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार करके 'विकसित महाराष्ट्र 2047' की तैयारी करने को भी कहा।

लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल क़िला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

–ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकाने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नही जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों

पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल में बड़ा राज, पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा

पुणे (एजेंसी)। संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पाकिस्तानी नंबर मिलने की जानकारी सामने आई है। जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 5 अंतरराष्ट्रीय नंबर मिले हैं। हंगरगेकर के पुराने और इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में खाड़ी देशों के नंबर मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने हैंडसेट में 1 नंबर पाकिस्तान का, 2 नंबर सऊदी अरब के, 1 नंबर ओमान का और 1 नंबर कुवैत का है। देखा गया है कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल में ओमान का 1 नंबर और सऊदी अरब के 4 नंबर सेव हैं। इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने पूछताछ के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। एक अधिकारी के अनुसार संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जुबैर इलियास हंगरगेकर को आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआयएस) के समर्थन में जिहाद फैलाने और देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर के रहने वाले हंगरगेकर फिलहाल कल्याणीनगर स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह शादीशुदा हैं और उसके दो बच्चे हैं। उसका परिवार पुणे के कोंढवा इलाके में रहता है। इस बीच, एटीएस मामले की गहन जाँच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या हंगरगेकर का अलकायदा सदस्यों से कोई संबंध था, उसके पास यह सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। पुलिस उसके दोस्त से भी पूछताछ करेगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जाँच करेगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में था। ये सभी अंतरराष्ट्रीय नंबर जुबैर हंगरगेकर के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि उसका आतंकवादी कनेक्शन सामने आ सकता है। हालाँकि, इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने गोलमोल जवाब दिया है कि उसे नहीं पता कि यह नंबर किसका है या इसका क्या संबंध है।

एटीएस अधिकारियों ने कहा, हंगरगेकर का अल-कायदा सदस्यों से संपर्क था या नहीं और उस संपर्क का उद्देश्य क्या था, इसकी जाँच चल रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि उसके पास अल-कायदा की सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। उसकी हिरासत में मौजूद उसके दोस्त से पूछताछ की जाएगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जाँच की जाएगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया था। इस बीच, एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान आईएसआईएस के एक पुराने मॉड्यूल की जाँच से जुड़ा था। उस समय संदिग्ध कट्टरपंथी व्यक्तियों पर नज़र रखी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 19 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इन छापों के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी ज़ब्त किए थे।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध रुप से प्रवेश कर रहे दो ब्रिटिश नागरिक गिरफ्तार

–दो डॉक्टर हैं और नेपालगंज अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे

बहराइच (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद से पुलिस और जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। यूपी के कई शहरों में भी जांच चल रही है। ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं। इस बीच बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 35 साल का पाकिस्तानी मूल का युवक और दूसरी 61 साल की महिला जो भारतीय मूल (उडुपी कर्नाटक) की ब्रिटिश नागरिक है। दोनों को उसय गिरफ्तार किया गया, जब वह बिना किसी वैध वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और एसएसबी ने दोनों कोर्ट में पेश किया। ऐसा बताया जा रहा कि यह डॉक्टर हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वे नेपालगंज में अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दोनों की पहचान सुमित्रा ओलिविया (61) पुत्री जान फ्रेडरिक सुमित्रा निवासी मूल रूप से उद्दपी कर्नाटक, ब्रिटिश पासपोर्ट होल्डर और ओसीआई कार्ड होल्डर है। उसका वर्तमान पता 25 हरकॉम्ब ड्राइव, ग्लौकेस्टर यूनाइटेड किंगडम है और हस्सन अम्मान (35) पुत्र मोहम्मद सलीम (पाकिस्तानी मूल) वर्तमान निवासी ए-1 डलमोरटन रोड मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के रूप में हुई है। दोनों को वैध दस्तावेजों के अभाव में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट बहराइच भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रुपईडीहा थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे नेपालगंज से रुपईडीहा आ रहे दोनों को शक के आधार पर पूछताछ की। इन दोनों को रोककर इनके प्रपत्र देखे गए तो पता लगा कि इनके पास भारत प्रवेश के कोई दस्तावेज ही नहीं है। दोनों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत ! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन क्लू की सीक्वेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे है।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

बारीकी से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

ड्रग पार्टी मामले में आया था नोरा फतेही का नाम...

फिल्मी गलियारों में एक बार फिर दाऊद इब्राहिम की वजह से हलचल पैदा हो गई है। हाल ही में गैंगस्टर से जुड़े ड्रग पार्टी मामले में कई बॉलीवुड सेलेब्स का नाम सामने आया था जिनमें से एक नोरा फतेही भी थीं। अब एक्ट्रेस ने आरोपों पर अपना रिएक्शन दिया है। 252 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्ती मामले में दुबई से डिपोर्ट हुए मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख नाम का शख्स गिरफ्तार हुआ जो दाऊद इब्राहिम से जुड़ा हुआ है। आरोपी का कहना है कि वह देश-विदेश में ड्रग पार्टी आयोजित करता है जिसमें दाऊद का भांजा अलीशा पारकर, श्रद्धा कपूर और नोरा फतेही समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स भी शामिल होते हैं।

नोरा फतेही ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर ड्रग पार्टी विवाद पर अपना पहला रिएक्शन दिया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैं पार्टियों में नहीं जाती हूं। मैं लगातार फ्लाइट्स में रहती हूं। मैं काम में डूबी रहती हूं। मेरी कोई पर्सनल लाइफ नहीं है। मैं खुद को ऐसे लोगों से नहीं जोड़ती। अपने छुट्टियों के दिनों में मैं दुबई के किसी बीच पर या अपने हाई स्कूल के दोस्तों के साथ घर पर होती हूं। मैं अपना पूरा दिन और रात अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने में बिताती हूं। आप जो भी पढ़ें उस पर विश्वास न करें।''

नोरा फतेही ने आगे कहा, ''ऐसा लगता है कि मेरा नाम ईजी टार्गेट है लेकिन मैं इस बार ऐसा नहीं होने दूंगी। यह पहले भी एक बार हो चुका है। आप लोगों ने झूठ के साथ मुझे बर्बाद करने की कोशिश की और यह काम नहीं किया। मैंने चुपचाप देखा कि कैसे हर किसी ने मेरा नाम खराब करने, मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और मुझे क्लिकबेट के रूप में इस्तेमाल करने की पूरी कोशिश की। प्लीज मेरे नाम और छवि का इस्तेमाल उन स्थितियों पर करने से बचें जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।''

कृति सैनन ने क्यों चुनी धनुष के साथ ये फिल्म....?

अभिनेता धनुष और कृति सनोन अभिनीत फिल्म 'तेरे इश्क में' आखिरकार सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। निमार्ताओं ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है और कृति के लिए यह प्रोजेक्ट कई कारणों से खास लग रहा है। कृति जो अक्सर कहती रही हैं कि उन्हें भावनात्मक और गहन प्रेम कहानियां पसंद हैं, ने बताया कि निर्देशक आनंद एल राय के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना था। उन्होंने बताया कि वह उनसे सालों से मिल रही थीं और हमेशा उम्मीद करती थीं कि वह उन्हें अपनी निर्देशित किसी प्रेम कहानी में कास्ट करेंगे क्योंकि वह उस शैली से गहराई से जुड़ती हैं। कृति ने कहा, 'देखिए, यह सफर असल में कई साल पहले शुरू हुआ था क्योंकि मैं आनंद सर से कई बार मिल चुकी हूं। मैं सालों से उनके पीछे पड़ी थी और उनसे कह रही थी कि मैं उनके द्वारा निर्देशित एक प्रेम कहानी करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि यह हमेशा से मेरी इच्छा सूची में रहा है। मुझे प्रेम कहानियां बहुत पसंद हैं।'

कृति ने आगे कहा, यह मेरी पसंदीदा शैली है, और मैं हमेशा से उनके जैसे किसी निर्देशक द्वारा निर्देशित होना चाहती थी, जो रूह तक पहुंचता हो, जिसकी प्रेम कहानियां इतनी सरल न हों... एक दिन, आखिरकार, वह अवसर आ ही गया। मुझे मुक्ति मिली। व्यंग्यात्मक रूप से। और जिस तरह से हिमांशु ने इसे लिखा है, जिस तरह से आनंद सर ने इस कहानी को देखा है।' अभिनेत्री ने यह भी बताया कि कैसे इस भूमिका ने अभिनय के प्रति उनके सामान्य दृष्टिकोण को बदल दिया। आमतौर पर पूरी तरह से तैयार रहने वाली, उन्होंने इस बार निर्देशक के दृष्टिकोण के आगे पूरी तरह से समर्पित होने का फैसला किया, और खुद को किरदार को और अधिक सहज और स्वाभाविक तरीके से जीने का मौका दिया।

निर्देशक आनंद एल राय ने इस प्रोजेक्ट का खुलासा सबसे पहले 2013 में आई अपनी रोमांटिक ड्रामा 'रांझणा' की 10वीं सालगिरह पर किया था, जिसमें धनुष भी मुख्य भूमिका में थे। तेरे इश्क में का निर्माण गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले हुआ है। इसके निमार्ताओं में आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार शामिल हैं। यह 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

श्वेता तिवारी की संघर्ष भरी शादीशुदा जिंदगी और सिंगल मदर बनने की कहानी...

टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी हमेशा से ही सुर्खियों में रही हैं। ऐसा सिर्फ. अपने सुपरहिट शोज की वजह से ही नहीं, बल्कि अपनी निजी ज़िंदगी की वजह से भी है। अभिनेत्री ने दो शादियाँ कीं, लेकिन दोनों ही नाकाम रहीं। हालाँकि आज वह सिंगल मदर हैं और उनकी एक बेटी और एक बेटा है, आइए एक नजर डालते हैं कि श्वेता की शादीशुदा ज़िंदगी में असल में क्या हुआ। श्वेता तिवारी की पहली शादी 1998 में अभिनेता राजा चौधरी से हुई थी, लेकिन जल्द ही इसमें गंभीर निजी समस्याएँ आ गईं। बाद में उन्होंने उन पर शराब पीने और नियमित रूप से शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह उनके शो के सेट पर भी हंगामा करते थे। सालों से, वह कहती रही हैं कि दुर्व्यवहार के बावजूद वह उस शादी में इसलिए रहीं क्योंकि उन्हें डर था कि इसका असर उनकी बेटी पलक पर पड़ेगा, जिसका जन्म 2000 में हुआ था। श्वेता भावनात्मक रूप से टूट चुकी थीं और उन्हें चिंता थी कि तलाक के कारण उनकी बेटी का पिता छिन जाएगा। 2007 में, लगभग नौ साल की शादी के बाद, श्वेता ने ''घरेलू हिंसा, बेवफाई और शराब की लत'' के आधार पर तलाक के लिए अर्जी दी।

एडल्ट कॉमेडी की रिलीज डेट लीक... ओटीटी पर पहले होगी दस्तक

बॉलीवुड की नई एडल्ट कॉमेडी फिल्म अपने हॉट कंटेंट और हास्य के चलते पहले से ही चर्चा में है। अब इस फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है, और यह जानकारी सोशल मीडिया पर लीक हो गई है। खास बात यह है कि फिल्म थिएटर में रिलीज होने से पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने वाली है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार, यह एडल्ट कॉमेडी फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 25 दिसंबर 2025 को उपलब्ध होगी। फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक इस जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन ऑनलाइन लीक से पहले ही दर्शकों में इसके लिए जोश और चर्चा बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म में हास्य और रोमांस का अनोखा मिश्रण है, जो विशेष रूप से युवा दर्शकों को आकर्षित करेगा। फिल्म के निर्देशक ने हाल ही में एक बयान में कहा कि इस एडल्ट कॉमेडी को थिएटर में रिलीज करने से पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाना दर्शकों तक जल्दी पहुँचने का एक तरीका है।

मीठी नदी से गाद निकालने के घोटाले में 49 वर्षीय ठेकेदार शेरसिंह राठौर के खिलाफ दूसरा आरोपपत्र दाखिल

मुंबई : मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 65 करोड़ रुपये के मीठी नदी से गाद निकालने के घोटाले में 49 वर्षीय ठेकेदार शेरसिंह राठौर के खिलाफ दूसरा आरोपपत्र दाखिल किया है। मेनदीप एंटरप्राइजेज के मालिक इस ठेकेदार ने 2021 और 2022 में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से निर्माण मलबे को नदी तल से निकाली गई गाद बताकर लगभग 29 करोड़ रुपये की ठगी की थी, 1,300 पन्नों के आरोपपत्र में कहा गया है। 39 गवाहों के हवाले से दर्ज आरोपपत्र में कहा गया है कि उसने इस राशि में से 4 करोड़ रुपये गाद निकालने के घोटाले के कथित मास्टरमाइंड, 50 वर्षीय केतन कदम और 49 वर्षीय जय जोशी को भी दिए थे।राठौर, कदम और जोशी सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।मामले से वाकिफ एक पुलिस अधिकारी ने एचटी को बताया, ''जब राठौड़ को 2021 और 2022 में 23 महीनों के लिए मीठी नदी से गाद हटाने का ठेका मिला था, तब उनके पास गाद निकालने वाली मशीन नहीं थी।'' उन्होंने आगे कहा, ''गाद हटाने के

बजाय, उन्होंने निर्माण मलबे से ट्रक भर दिए और भुगतान का दावा करने के लिए बीएमसी के कार्य निगरानी सॉफ्टवेयर पर तस्वीरें अपलोड कर दीं।''ईओडब्ल्यू की प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि कम से कम 67 मामलों में, राठौड़ ने मलबे को नदी की गाद बताकर लगभग ₹29 करोड़ की कमाई की।

उन्होंने मलबा डंप करने के लिए जमीन मालिकों के साथ कथित तौर पर तीन फजी समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी जमा किए। ईओडब्ल्यू ने पाया कि दो जमीन मालिकों ने कभी किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, जबकि तीसरे जमीन मालिक, भास्कर तारे की जनवरी 2021 में, उनके हस्ताक्षर वाले एमओयू पर कथित तौर पर हस्ताक्षर होने से तीन महीने पहले ही मृत्यु हो गई थी।ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने बताया कि राठौड़ ने गाद निकालने के घोटाले के कथित मास्टरमाइंड, व्यवसायी जय जोशी और केतन कदम के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए थे। ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, कदम और जोशी ने गाद निकालने के टेंडरों में कुछ शर्तें डालकर, अपनी गाद निकालने वाली मशीन बनाने वाली कंपनी, मैपट्रॉप सर्विसेज के लिए एकाधिकार स्थापित करने के लिए बीएमसी अधिकारियों के साथ मिलीभगत की।

होर्डिंग गिरने की जाँच में एक नया मोड़; मूल एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएँ जोड़ी गईं...

मुंबई : घाटकोपर होर्डिंग गिरने की जाँच में एक नया मोड़ आ गया है, और मामले में भ्रष्टाचार के आरोप भी जुड़ गए हैं। पिछले साल मई में धूल भरी आंधी में यह विशाल होर्डिंग उड़ गया था, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।घाटकोपर में यह विशाल होर्डिंग पिछले साल मई में धूल भरी आंधी में उड़ गया था, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।मुंबई पुलिस ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में प्राथमिकी (एफआईआर) में एक सरकारी कर्मचारी द्वारा आपराधिक कदाचार के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत धाराएँ जोड़ी हैं।इस मामले के पाँच आरोपियों के अलावा, पुलिस निलंबित आईपीएस अधिकारी

कैसर खालिद की भूमिका की भी जाँच कर रही है, जिन्होंने विभिन्न नियमों का उल्लंघन करते हुए आउटडोर विज्ञापन एजेंसी ईगो मीडिया को होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी। मुंबई अपराध शाखा द्वारा दायर आरोपपत्र में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) में तैनात खालिद का नाम नहीं है। हालाँकि, जीआरपी और अपराध शाखा ने इस मामले की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से जाँच कराने की माँग की थी।

जीआरपी ने खालिद की चूक का ज़िक्र किया था, जिसने एगो मीडिया को होर्डिंग लगाने की इजाजत दी थी। उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन एफआईआर में उसका नाम नहीं था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''एसीबी ने हमें जवाब में लिखा कि चूँकि क्राइम ब्रांच ने मूल मामले की जाँच की थी, इसलिए वे आपराधिक कदाचार साबित करने की बेहतर स्थिति में होंगे। इसलिए, हाल ही में मूल एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएँ जोड़ी गईं।''पुलिस ने पहले एगो मीडिया के निदेशक भावेश भिंडे, पूर्व निदेशक जान्हवी मराठे, स्ट्रक्चरल इंजीनियर मनोज संघू, सिविल ठेकेदार सागर कुंभार और व्यवसायी अरशद खान को गिरफ्तार किया था। इन पाँचों को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। खान, खालिद की पत्नी का कथित व्यावसायिक साझेदार है।हालाँकि क्राइम ब्रांच को खालिद से कोई सीधा संबंध नहीं मिला है, लेकिन उसने आरोप लगाया है कि खान ने भिंडे से ₹84 लाख लिए और उसे विभिन्न बैंक खातों में जमा कर दिया।

बोरीवली और विरार के बीच प्रस्तावित पाँचवीं और छठी रेलवे लाइन के रास्ते में आ रहे हैं 136 पेड़ों को काटा जाएगा;

30 पेड़ों को पास के इलाके में प्रत्यारोपित किया जाएगा

मुंबई : मीरा भयंदर नगर निगम (एमबीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में कुल 166 पेड़ बोरीवली और विरार के बीच प्रस्तावित पाँचवीं और छठी रेलवे लाइन के रास्ते में आ रहे हैं। एमबीएमसी द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, इनमें से 136 पेड़ों को काटा जाएगा और 30 पेड़ों को पास के इलाके में प्रत्यारोपित किया जाएगा। पश्चिम रेलवे पर दो नई लाइनों के लिए 166 पेड़ काटे जाएँगेशुक्रवार को

जारी एमबीएमसी नोटिस में, नगर निकाय ने कहा कि वह पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) की परियोजना को मंजूरी देने का इरादा रखता है और निवासियों से सात दिनों के भीतर कोई भी आपत्ति दर्ज कराने को कहा है। नोटिस में पश्चिम रेलवे की मुंबई शहरी परिवहन परियोजना के चरण ~~~~अ के अंतर्गत भयंदर स्टेशन और पंजू द्वीप के बीच के हिस्से का ज़िक्र है। जिन पेड़ों को काटा जाएगा उनमें नारियल, पीपल, बादाम, नीलगिरी, अशोक, भिंडी, गुलमोहर, खजूर, आम आदि जैसी किस्में शामिल हैं। जिन पेड़ों को प्रत्यारोपित करने के लिए चिह्नित किया गया है, उनमें से कुछ 40 साल से भी ज्यादा पुराने हैं।पिछले साल सितंबर में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सार्वजनिक परिवहन परियोजना के लिए 2,612 मैंग्रोव को हटाने की अनुमति दी थी। न्यायालय ने पश्चिम रेलवे को एक वचन पत्र दाखिल करने का भी निर्देश दिया था जिसमें कहा गया हो कि वह मैंग्रोव के पास 7,823 क्षतिपूर्ति वृक्षों का रोपण और रखरखाव पूरा करेगा।

मुंबई : क्षतिग्रस्त हुई गैस पाइपलाइन; टैक्सियाँ, ऑटो और एग्रीगेटर कैब सड़कों से नदारद रहने की संभावना

मुंबई : महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने घोषणा की है कि रविवार को क्षतिग्रस्त हुई गैस पाइपलाइन मंगलवार दोपहर तक ही बहाल हो पाएगी, जिसके कारण मंगलवार को लगातार तीसरे दिन ज्यादातर टैक्सियाँ, ऑटो और एग्रीगेटर कैब सड़कों से नदारद रहने की संभावना है।सीजीएस वडाला में आपूर्ति बाधित होने के कारण, मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में एमजीएल के 389 सीएनजी स्टेशनों में से सोमवार को केवल 225 स्टेशन ही चालू थे।सोमवार को, शहर के 2,80,000 ऑटो और 25,000 काली-पीली टैक्सियों में से 90% से ज्यादा सड़कों से नदारद रहीं, जबकि यात्रियों ने एग्रीगेटर कैब की कीमतों में बढ़ोतरी की शिकायत की। कई ऑटो और टैक्सियाँ मुख्य सड़कों और गलियों के किनारे खड़ी देखी गईं और शहर भर में सीएनजी स्टेशनों तक लंबी कतारें देखी गईं।

ईंधन की कमी के कारण शहर की लगभग 8,000 स्कूल बसों में से 2,000 बसें सोमवार को सड़कों पर नहीं उतरीं। एमजीएल द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि ट्रॉम्बे स्थित राष्ट्रीय केमिकल फैक्ट्री परिसर के अंदर मुख्य गैस आपूर्ति पाइपलाइन में किसी तीसरे पक्ष द्वारा नुकसान पहुँचने के बाद, एमजीएल के वडाला स्थित सिटी गेट स्टेशन (सीजीएस) को गैस की आपूर्ति रविवार से बाधित है। बयान में कहा गया है कि सीजीएस वडाला में आपूर्ति बाधित होने के कारण, मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में एमजीएल के 389 सीएनजी स्टेशनों में से सोमवार को केवल 225 स्टेशन ही चालू थे। बयान में कहा गया है कि व्यवधान के बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रही।एमजीएल के एक प्रवक्ता ने सोमवार को कहा, ''नुकसान ठीक होने और सीजीएस वडाला में आपूर्ति बहाल होने के बाद हमारे नेटवर्क में गैस की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। सुधार कार्य प्रगति पर है और कल (18 नवंबर) दोपहर तक गैस आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद है।''

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com